भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *246

जिसका उत्तर दिनांक 15.12.2021 को दिया जाना है

'भाविनि' फास्ट ब्रीडर रिएक्टर

*246. श्री विनसेंट एच. पाला :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत का पहला 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर 'भाविनि' को पूर्ण रूप से आरंभ कर दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस परियोजना में निर्धारित समयावधि से अधिक समय लगा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस परियोजना में निर्धारित लागत से अनुमानत: कितनी अधिक लागत लगी है; और

(घ) क्या सरकार ने इसी प्रकार की अन्य परियोजनाओं में निवेश किया है और यदि हां, तो उनकी स्थिति क्या है और उन्हें पूरा किए जाने की अनुमानित समयावधि कितनी है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से (घ) तक सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है ।

******

भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

"भाविनि फास्ट ब्रीडर रिएक्टर" के संबंध में श्री विनसेंट एच. पाला द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *246, जिसका उत्तर दिनांक 15.12.2021 को दिया जाना है, के उत्तर में संदर्भित विवरण ।

(क) जी, नहीं । कल्पाक्कम में भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) द्वारा निर्माण किया जा रहा 500 MWe प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) एकीकृत कमीशनन चरण के अधीन है ।

(ख) जी, हां । परियोजना आरंभ में 2003 में मंजूरी की गई है और सितंबर 2010 तक पूर्ण होने की आशा थी । नवीनतम अनुमोदन के अनुसार परियोजना के पूर्ण होने का संशोधित लक्ष्य अक्टूबर 2022 है ।

(ग) परियोजना आरंभ में रूपए 3492 करोड़ की लागत पर वर्ष 2003 में मंजूर की गई । तत्पश्चात् लागत को संशोधित कर रूपए 5667 करोड़ किया गया । सरकार ने वर्ष 2021 में परियोजना को पूर्ण करने की लागत को रूपए 6840 करोड़ संशोधित करने का अनुमोदन दे दिया है ।

(घ) सरकार ने कल्पाक्कम में निर्माण किए जाने हेतु द्रुत प्रजनक रिएक्टर (एफबीआर) -1 तथा 2 की पूर्व-परियोजना गतिविधियों के लिए रूपए 250 करोड़ निर्धारित किया है । पूर्व-परियोजना गतिविधियां प्रगति पर हैं । पीएफबीआर का कमीशनन और प्रचालन प्रतिपुष्टि को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीकार) में एफबीआर – 1 तथा 2 की विस्तृत डिजाइन और विश्लेषण प्रगति पर है । परियोजना की अभी मंजूरी की जानी है ।

******